

जल परलै



bangani

जल परलै

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



Local

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani Language
Red level book (3)

प्रकाशण:-

NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें हमने जल प्रलय के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सके।



जौ परमेश्वरेऽ दौरति दि नज़र लाइ ।

तै देखौ कि पाप बौरि बैड़ी गो ।

तैवै परमेश्वरेऽ दौरति रै नाश कौरनै

रै बारे दि सुँचौ ।



तेत्रा नूह नैऊँ रौ एक दौरमि माणूछ
थौ। नूह सौदाइं परमेश्वर रै साथी-
साथ आँडै थौ। एक दूस परमेश्वरेइ
नूह आरि बोलौ।



आउँ तिउँ दौरति माइँ कौइ खतम
कौरु। एजी बौजै कौइ तू एक गोपेर
लाकडै रौ एक बौडौ जाज़ चाण। तू
औज़ि तेरौ पुरौ परिवार जाज़ दि
डेइयौ।



सारै जानवर माझं कौइ एक-एक
जातिउँ री जोडी वी गिणै । केलाकि
आउँ दैरति दि चाळिश दूस जौउँ
जौड लान्दु रौउ । औजि जल परलै
कौइ सारै जानवरुँ खतम कौरु ।



तैवै नूहेड जेशौ परमेश्वरेड बोलौ
तेशौइ कियौ। तैवै नूहेड लाकडै रौ
एक बौडौ ज़ाज़ चाणौ।



आैजि नूहेइ आपडौ परिवार जाज़ दि
गिणौ। आैजि सारी जाति रे जानवर
बी जाज़ दि गिणौ। तैबै परमेश्वरेइ
जाज़ रौ दुवार बौन्द कियौ



ਤੈਥੈ ਦੌਰਤਿ ਦਿ ਚਾਲਿਸ਼ ਦੂਸ ਜੌਤੁੰ ਜੌਡ
ਲਾਗਦੁ ਰੈ। ਪਾਣਿ ਕੌਡੁ ਰੈ ਆਜਿ ਜਾਜ
ਪਾਣਿ ਮਾਝੁੰ ਤੈਨ-ਦੇ ਲਾਗੈ। ਦੌਰਤਿ ਦਿ
ਪਾਣਿ ਏਤੀ ਕੌਡੈ ਕਿ ਦੌਰਤਿ ਪੁਰੀ ਝੁਕੀ।



आौजि जेती थी जीव-जानवर दौरति
दि थै, सै सारै मौरै। नूह आौजि जेती
जाज़ दि थै, सै सारै बौचै। आौजि
पाणि दौरति दि एक शौ पचाश दुसै
बासियै कम आैन्दै लागौ। तै जाज़
एक डान्डै माइं रुकौ।



नूहेड एशौ देखणेखि एक कबुतर
उडियाओ कि दौरति दि पाणि आस्त
कि ना नौथि । बियाळके कबुतरेड
चुंजी पोरु जैतुन रौ एक पाचु आणो ।
तैव नूह के पातो लागौ कि पाणि
दौरति माझं कौड कम ऊड गो ।



तैव परमेश्वरेऽ नृह आरि बोलौ, तू तू
आपडै परिवार रै साथै सारै जानवरुं
बारै गाड़ । औज़ि जेत्ती बी जाज़ दि
थै, सै सारै बारै आए । तैव परमेश्वरेऽ
तिउंकै आशिश देणि ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,

This book was created with Bloom Enterprise features freely enabled in order to support projects funded by the local community.

